भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 254
मंगलवार, 4 फ़रवरी, 2025/15 माघ, 1946 (शक) को उत्तरार्थ

बीबीएसएसएल उत्पाद

254 श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः
श्री आलोक शर्माः
श्री महेश कश्यपः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उच्च उपज, रोग प्रतिरोधी बीज किस्मों को विकसित करने के लिए कृषि अनुसंधान संस्थानों के साथ कोई सहयोग अनुसंधान चल रहा है या योजनाबद्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) के उत्पाद को बढ़ावा देते हुए निजी बीज कंपनियों से प्रतिस्पर्धा का सामना करने हेतु किस तरह की योजना बना रही है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) और (ख): जी हाँ, मान्यवर । उच्च उपज, रोग प्रतिरोधी बीज किस्मों को विकसित करने के लिए कृषि अनुसंधान संस्थानों के साथ चल रहे और नियोजित सहभागिता के रूप में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) ने विभिन्न फसलों और किस्मों के आनुवंशिक रूप से उच्च क्षमता वाले उन्नत प्रजनक बीजों को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अग्रणी अनुसंधान संगठनों के साथ सहमति ज्ञापनों/ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया है:

1. ICAR -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI), नई दिल्ली
2. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना (PAU), पंजाब
3. ICAR– भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (IIMR), लुधियाना, पंजाब
4. ICAR- भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (IIMR), हैदराबाद, तेलंगाना
5. जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड
6. क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी प्रबंधन और व्यवसाय आयोजन एवं विकास इकाई IARI, पूसा, नई दिल्ली ।

इसके अलावा, भारतीय कृषि परिस्थितियों के लिए उपयुक्त कतिपय लक्षित फसलों में उच्च पैदावार, रोग प्रतिरोधी और लक्षण-विशिष्ट किस्मों/संकरों के विकास में समर्थन मांगने के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों के साथ बातचीत कर रही है:

1. इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रोपिक्स, हैदराबाद
2. इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूट (IRRI), वाराणसी
3. भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI), झांसी
4. भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR), वाराणसी
5. भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR), कानपुर
6. वर्ल्ड वेजीटेबल सेंटर, ऐवीआरडीसी, थाइलैंड
7. सुवान फार्म, (नेशनल कॉर्न एण्ड सोर्गम रिसर्च सेंटर), कासेटसार्ट यूनिवर्सिटी, थाइलैंड
8. वीराचाई सीड्स, आधिकारिक तौर पर WS सीड्स (थाइलैंड)

(ग): भारत में 50% से भी कम किसान उन्नत बीजों का उपयोग करते हैं और शेष किसान, फार्म सेव्ड सीड्स (FSS) पर निर्भर हैं । 50% से अधिक के इस अंतर को कम करने के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), सहकारी समितियों के माध्यम से बीजों की दोनों पीढ़ियों, अर्थात बुनियादी और प्रजनक बीजों के उत्पादन, परीक्षण, प्रमाणन, प्रापण, प्रसंस्करण, भंडारण, ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग जैसे सभी कार्यकलाप करने की परिकल्पना करती है । सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों, अर्थात् ICRISAT, IRRI, CIMMYT, आदि से प्रजनक बीज प्राप्त किए जाएंगे । अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) 'सरकार के समग्र दृष्टिकोण' के माध्यम से भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की विभिन्न योजनाओं और नीतियों का केंद्रित तरीके से लाभ उठाएगी । इस प्रकार, भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) निजी सहित सभी उपलब्ध विपणन चैनलों के माध्यम से 'भारत बीज' ब्रांड नाम से किसानों को प्रामाणिक उन्नत बीजों की समयबद्ध उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करेगा ।

******